No. of Printed Pages : 8

OLP-001

CERTIFICATE IN POULTRY FARMING (CPF)

Term-End Examination

December, 2011

00517

OLP-001 : INTRODUCTION TO POULTRY FARMING

Time : 2 hours *Maximum Marks : 50*

Note : *Attempt **Any five** questions. All questions carry **equal** marks.*

1. Define/Explain ***Any five*** of the following. **5x2=10**

(a) Artificial Insemination

(b) Bio security

(c) culling

(d) Broiler

(e) Deworming

(f) Feed conversion Ratio

(g) Pedigree

(h) Ration

2. Write short notes on ***Any Two*** of the following. **10**

(a) Benefits of Poultry Farming.

(b) Factors influencing egg production.

(c) Digestive system of poultry.

3. What do you mean by Poultry Cooperatives? **10**

What are the objectives and benefits of Poultry Cooperatives ? Write the steps in formation of Poultry Cooperatives?

4. Draw the diagram of Chicken and identify important body parts. **10**

5. Classify chicken based of the place of origin with examples. Describe any one breed in detail. **10**

6. What do you mean by judging of poultry? Write in detail the characteristics to be considered in judging of poultry. **10**

7. Write short notes on ***Any Two*** of the following. **10**

(a) Shift System of mating

(b) Factors influencing meat production

(c) Mixed farming system

8. Read the following case and answer the questions given at the end. **10**

Smt. Yasoda and her Backyard Poultry

Smt. Yasoda 47 year old housewife, studied up to primary school is living with her husband and two children in village kittur of Priyapatna block in Mysore district of Karnataka. Her family own half acre of land and was struggling to make living from it. She had not enough money to cover her household expenses. When veterinary doctor encouraged, six year's back, she had purchased 15 Giriraja backyard poultry chicks. She reared them carefully and earned subsidiary income. She recycled the birds on regular intervals and to date she is maintaining a flock of 48 backyard poultry birds. Out of them, 15-16 are laying eggs. She had a high positive attitude towards backyard poultry farming. With the help of her husband, she constructed a small shelter for birds and she regularly cleans the shelter at weekly intervals and gives water and supplementary feed daily to the birds. She regularly gets vaccination done to brids and consults local vetrinarian for disease problems. A single hen lays an average of 10-15 eggs a month and she earns ₹ 3.50/- on each egg-double the price compared to commercial eggs. She said "I sold 800 eggs this year and got ₹ 2800/- . Also around 100-150 eggs are used for

household consumption, mostly by children. In the last one year, she had also produced 90 birds of 10-12 weeks old for meat purpose and sold 75 birds @ ₹ 70/- live weight of price/kg with an average body weight of 2kg, she earned around ₹ 10,500/-. She said about 15 birds were used for home consumption. Her life improved with the backyard poultry farming and now she has eggs and chicken often to sell and feed two children. When asked about constraints, she said not many are there. She says that she opted for backyard Poultry farming to get subsidiary income and continuous food supply for her family besides supporting her husband economically. Buying chicken and eggs with my husband's earning is difficult, so I wanted to rear backyard poultry continuously in order to get money, eggs and Chicken, she said with a smiling face.

Questions :

1. Do you think that backyard Poultry Farming benefited Smt. Yasoda and her family and improved their livelihood ? Support your answer.

2. What are the implications of this case for rural development through backyard Poultry Farming ?

ओ.एल.पी.-001

कुक्कुट पालन में प्रमाण पत्र (सी.पी.एफ.)

सत्रांत परीक्षा

दिसंबर, 2011

ओ.एल.पी.-001 : कुक्कुट पालन का परिचय

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

***नोट : किन्हीं पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **सभी** प्रश्नों के **अंक समान** हैं।*

---

1. ***किन्हीं पाँच*** को परिभाषित/स्पष्ट कीजिए : **5x2=10**

   (a) कृत्रिम वीर्यसेचन (गर्भाधान)

   (b) जैव सुरक्षा

   (c) पशुओं की छँटाई (कल्लिंग)

   (d) ब्रॉयलर

   (e) कृमिहरण

   (f) फीड परिवर्तन अनुपात

   (g) वंशावली (Pedigree)

   (h) राशन

2. ***किन्हीं दो*** पर संक्षेप में नोट लिखिए : 10

(a) कुक्कट पालन के लाभ।

(b) अंडा उत्पादन को प्रभावित करने वाले कारक।

(c) कुक्कुट-पाचन तंत्र।

3. पोल्ट्री सहकारी समितियों से आप क्या समझते हैं? पोल्ट्री सहकारी समितियों के उद्देश्य एवं लाभ क्या हैं? पोल्ट्री सहकारी समितियों के गठन के चरणों को लिखिए। 10

4. चिकन का रेखाचित्र बनाइए और महत्वपूर्ण देह भागों की पहचान कीजिए। 10

5. चिकन को मूलस्थान के आधार पर सोदाहरण वर्गीकृत कीजिए। किसी एक नस्ल को सविस्तार स्पष्ट कीजिए। 10

6. पोल्ट्री-आकलन (Judging) से आप क्या समझते हैं? पोल्ट्री के आकलन में विचारणीय विशेषताओं को सविस्तार लिखिए। 10

7. किन्हीं **दो** पर संक्षेप में नोट लिखिए : 10

(a) मेटिंग का शिफ्ट सिस्टम

(b) मीट उत्पादन को प्रभावित करने वाले कारक

(c) मिश्रित फार्म पद्धति

8. निम्नलिखित मामले को पढ़िए और अंत में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

सुश्री यशोदा एवं उनकी बैकयार्ड पोल्ट्री

सुश्री यशोदा 47 वर्ष की गृहिणी हैं। और पाँचवी कक्षा तक पढ़ी हैं। यशोदा जी कर्नाटक के मैसूर जिले में प्रियपटना ब्लॉक के किट्टूर गाँव में अपने पति एवं अपने दो बच्चों के साथ रहती हैं। यहाँ इनके परिवार की आधा एकड़ जमीन है और ये इसी भूमि से अपनी गुजर-बसर करते थे। परिवार के खर्चे को पूरा करने के लिए यशोदा के पास पर्याप्त धन का अभाव था। लेकिन पशुचिकित्सक द्वारा प्रेरित किए जाने पर यशोदा ने छह वर्ष पहले 15 गिरिराज बैकयार्ड पोल्ट्री चिक्स की खरीद की। उसने इन चिक्स का बेहद सावधानी से पालन-पोषण किया और पर्याप्त आमदनी की प्राप्ति की। उसने नियमित अंतराल पर इन पक्षियों की संख्या बढ़ाई और फिलहाल उसके पास 48 बैकयार्ड पोल्ट्री पक्षियों का झुंड है। इनमें से 15-16 अंडे देते हैं। बैकयार्ड कुक्कुट-पालन को ले कर, यशोदा की सोच बेहद सकारात्मक थी। अपने पति की सहायता से उसने पक्षियों के लिए छोटा से बाड़ा बनाया और यशोदा इस जगह को नियमित रूप से साप्ताहिक अंतरालों पर साफ भी करती हैं और पक्षियों को रोज़ाना दाना-पानी भी देती हैं। और साथ ही इनकी पौष्टिकता को बढ़ाने के लिए पौष्टिक आहार भी देती हैं। वह पक्षियों का नियमित आधार पर टीकाकरण करती हैं और रोग संबंधी समस्याओं के निवारण के लिए स्थानीय पशु/पक्षी चिकित्सक की सलाह भी लेती हैं।

बाड़े की हर मुर्गी महीने में औसतन 10-15 अंडे देती है और इस तरह यशोदा प्रति अंडे पर ₹ 3.50 कमाती है जो कि वाणिज्यिक अंडों की तुलना में दुगुनी कीमत है। उसने बताया कि "इस वर्ष

मैने 800 अंडों की बिक्री की और ₹ 2800 कमाए। इसके अलावा घरेलू उपभोग के लिए अर्थात् 100-150 अंडों को बच्चों ने भी उपभोग किया। पिछले एक वर्ष में उसने 10-12 हफ्तों की आयु के 90 पक्षी भोजन के उद्देश्य से भी पाले थे और 75 पक्षियों को ₹ 70 जीवित भार कीमत / किग्रा. की दर से बेचा था। 2 किलो की औसत देह भार के साथ, उसने लगभग ₹ 10,500 कमाए थे। उसने बताया कि लगभग 15 पक्षियों का उपयोग घर में खाने के लिए किया गया। बैकयार्ड पोल्ट्री फार्मिंग के साथ उसका जीवन बेहतर हो गया और अब घरेलू उपभोग एवं बिक्री दोनों के लिए उसके पास अंडे एवं चिकन पर्याप्त मात्रा में हैं और जब दिक्कतों के बारे में पूछा गया तो उसने बताया कि दिक्कतें कुछ ज्यादा नहीं हैं। उसने बताया कि उसने बैकयार्ड पोल्ट्री फार्मिंग को चुना ताकि परिवार को पर्याप्त भोजन, पर्याप्त आमदनी हो और पति की आर्थिक सहयोग की प्राप्ति हो। उसने बताया कि सिर्फ पति की आमदनी से चिकन और अंडे खरीदना बेहद कठिन था इसलिए उसने मुस्कुराते हुए कहा कि धन, अंडे और चिकन की समुचित प्राप्ति के लिए मैने बैकयार्ड पोल्ट्री पालन की राह चुनी।

प्रश्न :

1. क्या आपकी राय में बैकयार्ड पोल्ट्री फार्मिंग से सुश्री यशोदा और उसके परिवार को लाभ हुआ और क्या इससे उनके आजीविका-अर्जन में सुधार हुआ? अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।

2. बैकयार्ड पोल्ट्री फार्मिंग के माध्यम से ग्रामीण विकास के लिए इस मामले के निहितार्थ क्या हैं?